Bhajankilyrics

रामा रामा रटते रटते बीती रे उमरिया भजन लिरिक्स

Downloaded on: May 4, 2025

रामा रामा रटते रटते बीती रे उमरिया भजन लिरिक्स ।। दोहा ।। राम भरोसो राम बल, राम नाम बिस्वास। सुमिरत सुभ मंगल कुसल, मांगत तुलसीदास। ~ रामा रामा रटते रटते ~ रामा रामा रटते रटते , बीती रे उमरिया। रघुकुल नंदन कब आओगे , भीलनी की डगरिया। में भीलनी सबरी की जाई , भजन भाव नहीं जानू रे। राम तुम्हारे दरसन के हित , बन में जीवन पालू रे। चरण कमल से निर्मल कर दो , दासी की झोपड़िया। रामा रामा रटते रटते , बीती रे उमरिया। टेर। .... रोज सवेरे बन में जाकर , रास्ता साफ में करती हु। अपने प्रभु के खातिर बन से , चुन चुन के फल लाती हु। मीठे मीठे बेरन की , भर ल्याई में छबड़िया। रामा रामा रटते रटते , बीती रे उमरिया। टेर। .... सुन्दर श्याम सलोनी सूरत , नैना बिच बसाऊंगी। पद पंकज की रज धरी मस्तक , चरणों में सीस नवाउंगी। प्रभुजी मुझको भूल गए क्या , लो दासी की खबरिया। रामा रामा रटते रटते , बीती रे उमरिया। टेर। .... नाथ तुम्हारे दर्शन के हित , में अबला एक नारी हु। दर्शन बिन दोऊ नैना तरसे , दिल की बड़ी दुखियारी हु। मुझको दर्शन देवो दयामय , डालो मेहर नजरिया। रामा रामा रटते रटते , बीती रे उमरिया। टेर। ....

© 2025 Bhajankilyrics. All rights reserved.